

हंगामे के बाद फिर निकाली दबाई लाश

भुंतर में प्रोजेक्ट साइट पर मजदूर की मौत के बाद खाकी की कार्रवाई

■ हीरा लाल ठाकुर, भुंतर



जिला कुल्लू में बन रहे प्रोजेक्ट कामगारों को निगल रहे हैं। जिला के गड़सा में एक प्रोजेक्ट की टावर लाइन में दबे नेपाली कामगार की मौत ने इन आशंकाओं को बल दिया है। जानकारी के अनुसार जिस नेपाली कामगार का शव पुलिस को गत दिन बरामद हुआ था, उसकी मौत करीब तीन से चार दिन पहले हुई थी। आशंका जताई जा रही है कि उक्त कामगार के शव को जान बूझकर मलबे में दफनाया गया था और विरोध पनपने के बाद शव को बाहर निकाला गया और पुलिस को सौंपा गया। पुलिस की जांच टीम लिहाजा अब उक्त नेपाली की मौत के कारणों को जांचने में जुटी है और इस संदर्भ

में प्रोजेक्ट की टावर लाइन के नुमाइंदों के बयान भी कलमबद्ध करने लगी है। बता दें कि पिछले कई सालों से कुल्लू में निर्माणाधीन प्रोजेक्टों में काम कर रहे नेपाली मूल और अन्य बाहरी कामगारों की मौतें सवालियों के घेरे में रही हैं और कामगारों के अचानक गायब होने पर रहस्य की परतें खुल नहीं पा रही हैं। जानकारी के अनुसार अधिकतर नेपाली और बाहरी राज्यों के प्रवासी कामगार जिला में आने से पहले अपना पंजीकरण भी पुलिस में नहीं करवाते हैं और इस कारण इनके बारे में पुलिस में मामला दर्ज होने के बाद जांच प्रभावित होती है। ताजा मामले के बाद पुलिस अब सख्ती के मूड में दिख रही है और प्रोजेक्ट का काम कर रहे प्रबंधकों को तलब करने की तैयारी में है। पुलिस को मिली सूचना के अनुसार नेपाली को मलबे में दबाया गया था, लेकिन दबाव के चलते शव को बाहर निकाला गया।



कुल्लू पुलिस के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एनएस नेगी कहते हैं कि मलबे में मिले शव का पोस्टमार्टम करवा लिया गया है और जल्द ही इसकी रिपोर्ट मिल जाएगी। उन्होंने बताया कि रिपोर्ट के बाद ही इसके बारे में कुछ कहा जा सकेगा। उन्होंने बताया कि टावर लाइन का कार्य कर रही एजेंसी के नुमाइंदों से भी पूछताछ की जा रही है और अगर कोई दोषी पाया गया तो उसे किसी भी सुरत में बख्शा नहीं जाएगा।